वित्तीय कार्रवाई कार्य बल

दृष्टि The Vision
वित्तीय कार्रवाई कार्य बल
(Financial Action Task Force-FATF)
FATF
परिचय
★ ग्लोबल मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण का निगरानीकर्त्ता
स्थापनाः
★ जुलाई 1989, पेरिस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान
उद्देश्यः
★ मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण का मुकाबला करना और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण का विरोध करना।
सदस्यः
★ 37 सदस्य क्षेत्राधिकार और दो क्षेत्रीय संगठन (यूरोपियन कमीशन व खाड़ी सहयोग परिषद)
★ इंडोनेशिया एक पर्यवेक्षक देश है।
मुख्यालयः
★ सचिवालय पेरिस में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) मुख्यालय में स्थित
ग्रेलिस्ट होने के परिणामः
★ FATF (IMF, World Bank, ADB) से संबद्ध वित्तीय संस्थानों से आर्थिक प्रतिबंध
★ वित्तीय संस्थानों और देशों से ऋण प्राप्त करने में समस्या
★ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कमी
★ अंतर्राष्ट्रीय बहिष्कार
भारत और FATF:
★ भारत वर्ष 2006 में एक पर्यवेक्षक देश बन गया।
★ भारत वर्ष 2010 में FATF का 34वाँ सदस्य बना।
★ भारत इसके क्षेत्रीय साझेदारों, एशिया पैसिफिक ग्रुप (APG) और यूरेशियन ग्रुप (EAG) का भी सदस्य है।
FATF की सूचियाँ:
★ ग्रे लिस्टः
❖ इसका मतलब है- "बढ़ी हुई निगरानी सूची"
❖ इसमें आतंकी वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग का समर्थन करने के लिये सुरक्षित स्थल माने जाने वाले देशों को शामिल किया जाता है।
❖ संबंधित देश के लिये एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है कि उसे ब्लैक लिस्ट में शामिल किया जा सकता है।
ब्लैक लिस्टः
★ असहयोगी देश या क्षेत्र (Non-Cooperative Countries or Territories-NCCT) शामिल हैं ये देश आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का समर्थन करते हैं।
★ देश-ईरान, उत्तर कोरिया और म्यांमार

//

और पढ़ें....